Daily Gospel Reflections in Hindi

17 September 2019

मत्ति 23 : 29 - 36

The hypocracy of Scribes and Pharisees

आज के सुसमाचार में, कड़ी शब्दों से येसू उन प्रतिद्वन्दियों को डाँटते है क्योंकि वे कभी अपने पुरखों की गलतियों से कुछ सीखा नही था। उन लोगों के बीच में रहते हुए येसू जानते थे कि येसू पर क्या–क्या बीतने वाला है।

कौन–कौन येसू के विरूद्ध नियमों को तोडने वाले है। आस–पास रहने वाले लोग सभी नियमों को तोड़–मरोड़ कर येसू को क्रूस पर लटकाने वाले थे फिर भी शुद्ध हृदय से येसू उन लोगों को समझा रहे है कि उनके कथनी और करनी में बहुत फर्क है।

आज के वचन हमेशा सचेत कराते है कि हृदय एवं बाहरीय कर्म में ईश्वरीय प्रेम झलकना है।

एक ओर बात हमें मनन चितंन करना चाहिए कि लोगों को समझना है और उनकी कथनी करनी पर नहीं बल्कि मेरा ईश्वर से जो रिश्ता है उसी के आधार पर सभी से व्यवहार रखिए।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019